मनीषा की ज़िद

कला निर्देशक और लेखक : पूजा ढींगरा
चित्रकार : विद्या गोपाल

BEHANBOX
chitrakoot collective
UDAYA TOWARDS ADULTHOOD

बीस साल की मनीषा लड़कियों के लिए एक मिसाल हैं। वह 'झलकारीबाई किशोरी दल' की लीडर है। वह नट समुदाय से हैं, जहाँ लड़कियों की शादी बचपन में ही कर दी जाती है।

उसके घर वालों का बस चलता तो वो मनीषा की शादी 8वी कक्षा के बाद ही कर देते। लेकिन मनीषा ने इसका विरोध किया और अपनी खुद की राह बनायी। आइये चलते हैं मनीषा के सपनों के सफ़र पर और देखते हैं कि बाल विवाह का विरोध करके वह क्या कुछ हासिल कर पायी है।

युवाओं में औसतन शादी की उम्र

(उत्तर प्रदेश में 18-22 वर्ष के युवा, उदया सर्वे 2018-19)

किशोरियां **18** वर्ष

किशोर **19** वर्ष

मनीषा बहुत जल्द इस बात को समझ गयी थी की कम उम्र में शादी करने से भविष्य अन्धकार में चला जायेगा। लेकिन बहुत समझाने पर भी उसके घर वाले नहीं माने और उसकी शादी तय कर दी।

मनीषा ने अपनी शादी रोकने के लिए अपने समूह के सदस्यों का सहयोग लिया।

मनीषा के घर वालों ने उसकी शादी तो रोक दी, परन्तु ...

मनीषा अपनी पढ़ाई को लेकर चिंतित थी। संस्था के सहयोग से मनीषा ने कक्षा 9 में नाम लिखाया।

साथ में मनीषा ने सिलाई-कढ़ाई में ट्रेनिंग शुरू की, ताकि पढ़ाई के लिए पैसे जुटा सके।

सिलाई-कढ़ाई सीखने के बाद मनीषा ने अपने गांव में ही सबके कपड़े सिलना शुरू कर दिया। पिता के न मानने के बावजूद उसने टेलरिंग की दुकान खोली ।

महामारी के दौरान जब उसके पिता की कमाई ठप्प हो गयी, तब मनीषा के सिलाई से कमाए हुए पैसों से ही घर का गुज़ारा हुआ।

दुकान के साथ-साथ, मनीषा ने एक प्रशिक्षण केंद्र भी खोला जहाँ वह अब अन्य किशोरियों को टेलरिंग सिखाती हैं। अगस्त 2021 में मनीषा का प्रशिक्षण केन्द्र, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा टेलरिंग सेंटर के लिए चुना गया।

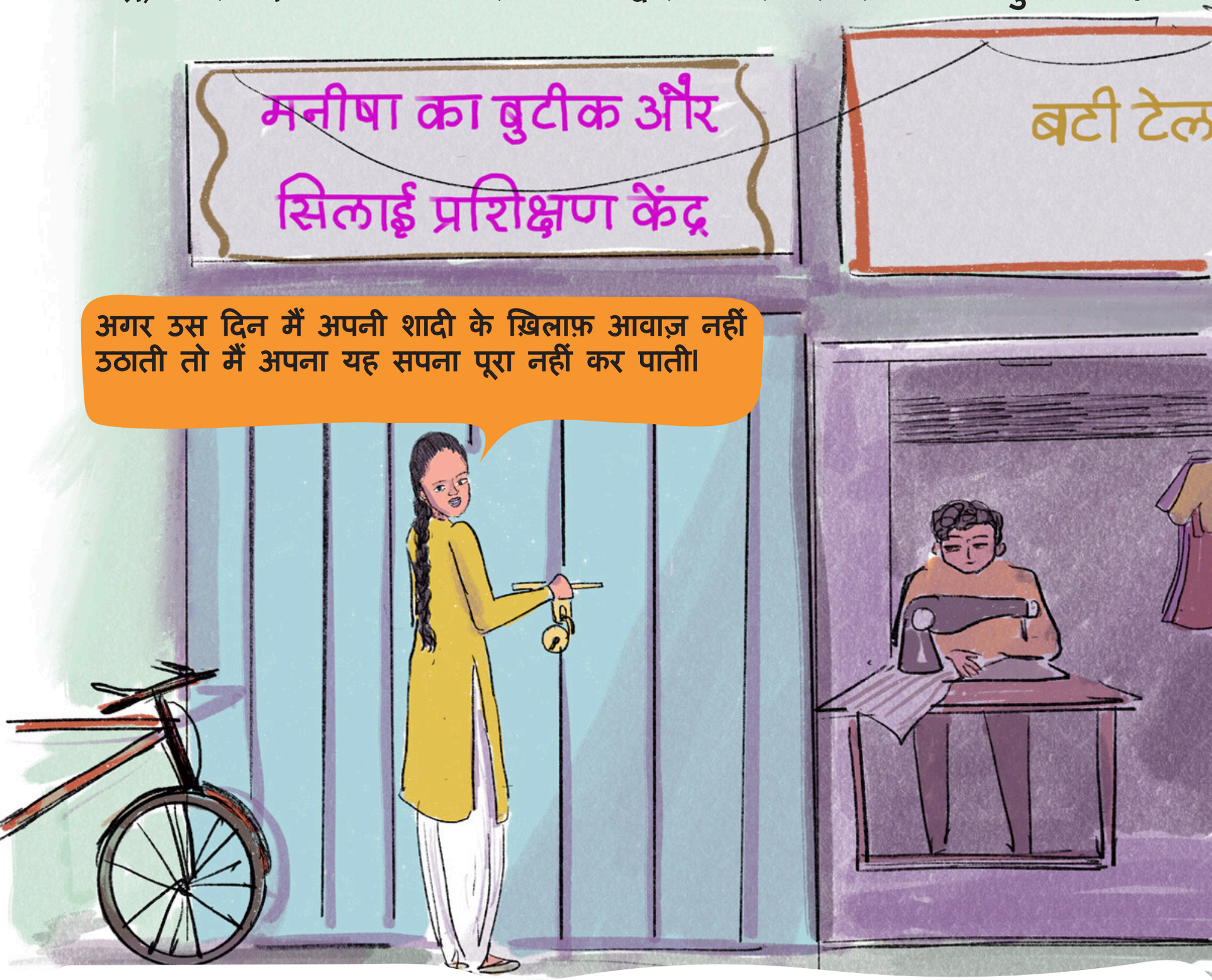

मनीषा उन युवाओं में से हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन के कार्यक्रम का लाभ मिला। उदया सर्वेक्षण ने पाया कि उत्तर प्रदेश में युवाओं में कौशल विकास के अवसरों की जानकारी बहुत कम है।

युवाओं में उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन की जानकारी

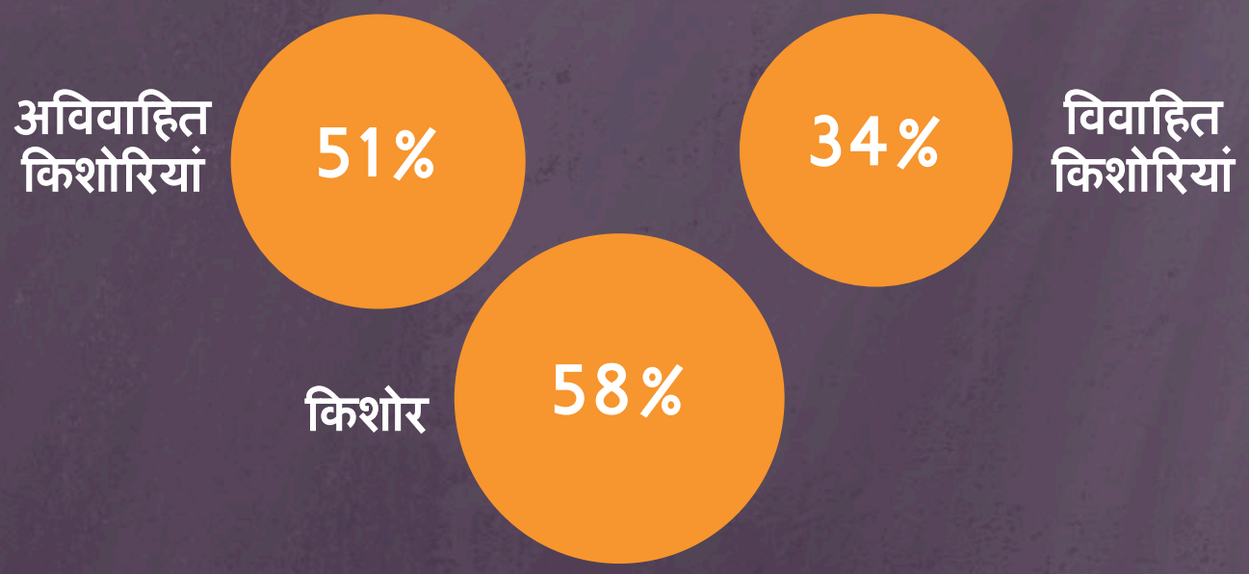

युवाओं में उत्तर प्रदेश स्किल डेवलपमेंट मिशन के तहत ट्रेनिंग सेंटर की जानकारी

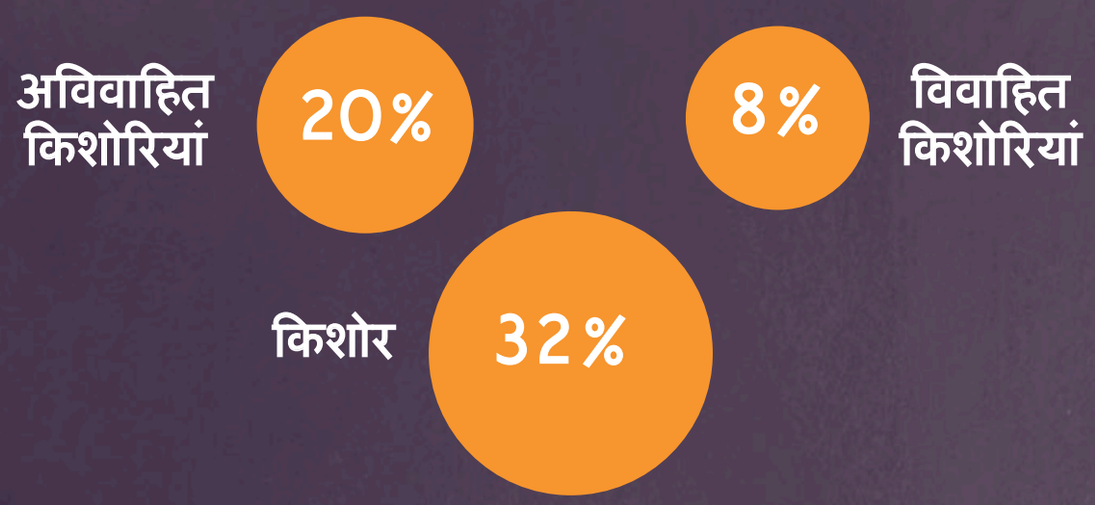

2018-2019 में उत्तर प्रदेश में 18-22 वर्षीया किशोर और किशोरियां

सोर्स: उत्तर प्रदेश और बिहार में उदया सर्वेक्षण, 2015-2016 और 2018-2019

आज मनीषा न सिर्फ टेलरिंग करके अपनी आजीविका कमा रही है, बल्कि कई और किशोरियों को भी सशक्त कर रहीं हैं।

उदया सर्वेक्षण में यह पाया गया कि 2015-16 और 2018-19 के बीच जिन किशोरियों की शादी कम उम्र में नहीं हुई, 2018-19 में उनमे जेंडर समानता के विचार, खुद के फैसले लेने की क्षमता और आत्मनिर्भरता, छोटी उम्र में शादी करने वाली लड़कियों से ज्यादा है।

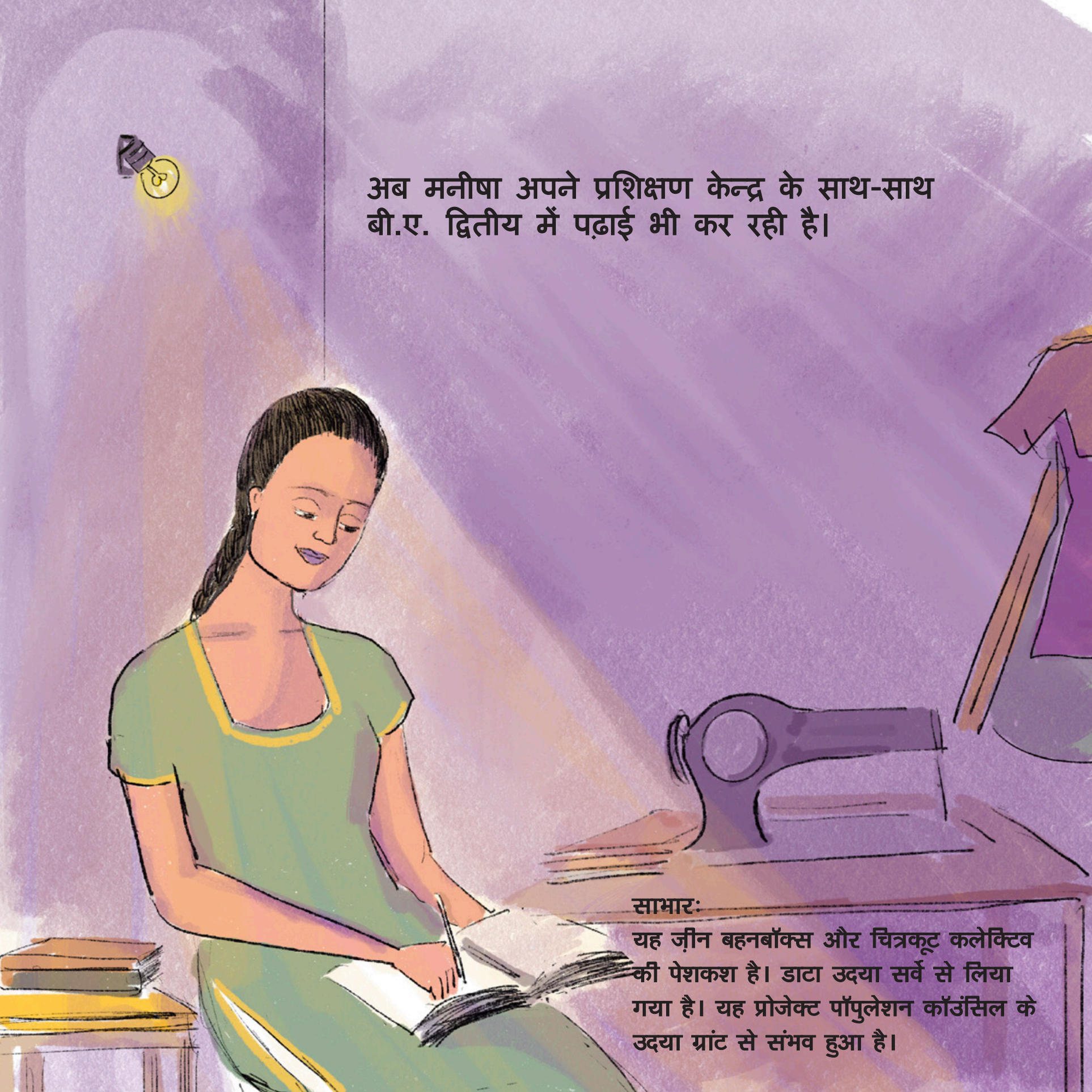

अब मनीषा अपने प्रशिक्षण केन्द्र के साथ-साथ बी.ए. द्वितीय में पढ़ाई भी कर रही है।

साभारः
यह ज़ीन बहनबॉक्स और चित्रकूट कलेक्टिव की पेशकश है। डाटा उदया सर्वे से लिया गया है। यह प्रोजेक्ट पॉपुलेशन कॉउंसिल के उदया ग्रांट से संभव हुआ है।